vinetur

2026 की पहली छमाही में चीन में राष्ट्रीय स्पिरिट्स की खपत 12% घटी

IWSR के आंकड़ों के अनुसार भारतीय व्हिस्की की खपत 4% बढ़ी, जो एशिया के दो सबसे बड़े अल्कोहल बाजारों के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाती है

बुधवार, 11 नवंबर 2026



IWSR की ओर से मंगलवार, 10 नवंबर को जारी बाजार के नए आंकड़ों के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में चीन में राष्ट्रीय स्पिरिट्स की खपत एक साल पहले की तुलना में 12% घटी, जबकि भारत में भारतीय व्हिस्की की खपत 4% बढ़ी। ये आंकड़े एशिया के दो प्रमुख स्पिरिट्स बाजारों की बिल्कुल अलग राह दिखाते हैं। ऐसे समय में वैश्विक अल्कोहल उद्योग को कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में कमजोर मांग और अन्य में लगातार वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है।

ये आंकड़े 21 प्रमुख बाजारों पर IWSR की 2026 की पहली छमाही की समीक्षा से आए हैं। कंपनी के मुताबिक, ये बाजार वैश्विक मादक पेय खपत का 76% हिस्सा हैं। चीन और भारत के आंकड़े 2025 की पहली छमाही से 2026 की पहली छमाही के बीच खपत की मात्रा में हुए बदलाव दर्शाते हैं। IWSR ने इन श्रेणियों के लिए लीटर या केस में कुल मात्रा के

आंकड़े प्रकाशित नहीं किए, न ही कीमतों या राजस्व का विवरण दिया।

चीन में राष्ट्रीय स्पिरिट्स की खपत में गिरावट रिपोर्ट में दर्ज श्रेणियों की सबसे तेज गिरावटों में से एक थी। IWSR ने कहा कि पहली छमाही में चीन में मादक पेय पदार्थों की कुल खपत 3% घटी। इसमें बीयर की खपत 2%, स्टिल वाइन की 9% और राष्ट्रीय स्पिरिट्स की 12% कम हुई। कंपनी ने इस श्रेणी के लिए 'राष्ट्रीय स्पिरिट्स' शब्द का इस्तेमाल किया, लेकिन इसे सभी चीनी स्पिरिट्स या पूरे बाइजिउ बाजार के बराबर नहीं माना।

इसके विपरीत, इसी अवधि में भारत में मादक पेय पदार्थों की कुल खपत 10% बढ़ी। IWSR के मुताबिक, इस बढ़त में फुल-स्ट्रेंथ बीयर की 16%, रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों की 12% और भारतीय व्हिस्की की 4% वृद्धि का योगदान रहा। भारत के आंकड़े संकेत देते हैं कि अन्य बड़े बाजारों में खपत के रुझान बदलने के बावजूद स्पिरिट्स की मांग मजबूत बनी रही।

दोनों देशों के बीच यह अंतर रिपोर्ट में दिख रहे व्यापक रुझान से मेल खाता है। सभी 21 बाजारों को मिलाकर देखें तो 2025 की पहली छमाही की तुलना में मादक पेय पदार्थों की कुल खपत 1% घटी। हालांकि, अमेरिका और चीन को अलग रखने पर बाकी बाजारों में कुल खपत 1% बढ़ी। भारत, ब्राजील, कोलंबिया, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन समेत कई देशों में बढ़त ने इसमें मदद की।

यह अंतर इसलिए अहम है क्योंकि चीन और अमेरिका दुनिया के दो सबसे बड़े मादक पेय बाजार हैं। IWSR ने कहा कि इन दोनों देशों में कमजोरी के कारण अन्य जगहों का बेहतर प्रदर्शन पूरी तरह सामने नहीं आ रहा। अमेरिका में भी पहली छमाही में मादक पेय पदार्थों की कुल खपत 4% घटी। बीयर की खपत 4%, स्टिल वाइन की 6% और रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों की 4% कम हुई।

IWSR ने कहा कि सभी बाजारों को मिलाकर देखने पर कई श्रेणियों के रुझान साफ नजर आए। फुल-स्ट्रेंथ बीयर की खपत 1% से कम घटी, स्टिल वाइन 4% और राष्ट्रीय स्पिरिट्स 11% नीचे रहे। बढ़ने वाली श्रेणियों में बिना अल्कोहल वाली बीयर 8%, भारतीय व्हिस्की 4% और प्रोसेको 3% ऊपर रहे।

कंपनी ने कहा कि 2026 की पहली छमाही के नतीजे अल्कोहल उत्पादकों के लिए अब भी चुनौतीपूर्ण बाजार दिखाते हैं, लेकिन पिछले साल के प्रदर्शन से बेहतर हैं। 2024 की पहली छमाही से 2025 की पहली छमाही के बीच इन्हीं 21 बाजारों में मादक पेय पदार्थों की कुल खपत 2% घटी थी। IWSR के अनुसार, हालिया अवधि में गिरावट घटकर 1% रहने में सात बाजारों में दर्ज वृद्धि और छह अन्य बाजारों में एक साल पहले के मुकाबले कम गिरावट का योगदान रहा।

स्पिरिट्स उत्पादक चीन और भारत के बीच इस अंतर पर खास नजर रख सकते हैं, क्योंकि इससे पता चलता है कि एशिया में वृद्धि कहां से आ सकती है। चीन की स्पिरिट्स की एक बड़ी श्रेणी में 12% की गिरावट ऐसे बाजार में लगातार दबाव का संकेत देती है, जो लंबे समय से वैश्विक पेय कंपनियों के लिए अहम रहा है। भारतीय व्हिस्की में 4% की वृद्धि, भारत में बीयर और रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों की व्यापक बढ़त से कम जरूर है, लेकिन यह ऐसी श्रेणी में विस्तार जारी रहने का संकेत देती है जिसका घरेलू महत्व काफी है और जिसमें अंतरराष्ट्रीय दिलचस्पी भी है।

IWSR ने अल्कोहल की खपत में वैश्विक सुस्ती को कई दबावों से जोड़ा, जिनमें संयमित सेवन के रुझान और GLP-1 दवाओं का बढ़ता इस्तेमाल शामिल हैं। हालांकि, कंपनी ने कहा कि इन कारणों से अमेरिका और चीन में आई बड़ी गिरावटों की पूरी व्याख्या नहीं होती। चीन के मामले में उसने धीमी वृद्धि की उम्मीदों, लंबे समय से जारी रियल एस्टेट संकट और वृद्ध होती आबादी समेत कमजोर आर्थिक परिस्थितियों का जिक्र किया। अमेरिका के लिए उसने टैरिफ, महंगाई के दबाव और व्यापक आर्थिक अनिश्चितता को कारण बताया।

IWSR के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक Marten Lodewijks ने विज्ञप्ति में कहा कि 2026 की पहली छमाही में वैश्विक मादक पेय खपत का रुझान बाजारों और श्रेणियों के आधार पर और अधिक बंटा हुआ नजर आया। उन्होंने कहा कि संयमित सेवन बाजार की संरचनात्मक विशेषता बनता जा रहा है, जबकि भारत और ब्राजील जैसे देशों में वृद्धि जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि स्टिल वाइन और फुल-स्ट्रेंथ बीयर जैसी बड़ी, स्थापित श्रेणियां मादक पेय पदार्थों की कुल मात्रा

पर दबाव डालती रहीं। वहीं, रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों और बिना अल्कोहल वाली बीयर की वृद्धि ने कई बाजारों में गिरावट के कुछ असर को कम किया।

रिपोर्ट में चीन के राष्ट्रीय स्पिरिट्स या भारत की व्हिस्की के तिमाही आंकड़े नहीं दिए गए। इसमें 2026 की पहली छमाही की तुलना उससे ठीक पहले की छह महीने की अवधि से भी नहीं की गई। तुलना केवल एक साल पहले की इसी अवधि से की गई, इसलिए चीन और भारत के आंकड़े इस आधार पर सीधे तुलनीय हैं।

ये आंकड़े दिखाते हैं कि अल्कोहल बाजार में असमानता कितनी बढ़ गई है। उद्योग के पैमाने के लिहाज से सबसे अहम देशों में से एक चीन में राष्ट्रीय स्पिरिट्स की दो अंकों की गिरावट के साथ बीयर और वाइन में भी व्यापक कमजोरी रही। भारत में, जहां मादक पेय पदार्थों की कुल मांग में मजबूत वृद्धि हुई, व्हिस्की भी बीयर और रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों की तेज बढ़त के साथ आगे बढ़ती रही। उत्पादकों, वितरकों और निवेशकों के लिए IWSR की पहली छमाही के आंकड़ों का संदेश है कि एशिया के दो बड़े उपभोक्ता बाजार अलग-अलग दिशाओं में बढ़ रहे हैं और एक ही क्षेत्र में भी अलग-अलग श्रेणियों का प्रदर्शन काफी भिन्न हो सकता है।